अभिक्रमित अनुदेशन विधि

जनक - B.F. स्कीनर

अभिक्रमित → अर्थ- क्रम/योजना बद्ध

अनुदेशन → सूचना देना

- इस विधि के अन्तर्गत विषय वस्तु को छोटे-छोटे सोपानों मे योजना बद्ध तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।
- इसमें बालक स्वंय की गति से सीखता है, स्वंय अध्ययन करता है और तत्काल अपने उत्तर की जाँच करता है।
- भारत में अभिक्रमित अनुदेशन का प्रयोग 1963, इलाहाबाद मे किया गया।
- पहली बार स्वचालित पुस्तक का निर्माण स्कीनर ने किया, जो व्यक्तिगत अनुदेशन पर आधारित थी।

अभिक्रमित अनुदेशन के सिद्धांत :-

1. लघु पदों का सिद्धांत
2. स्वगति का सिद्धांत
3. तत्काल पुर्नबलन का सिद्धांत
4. सक्रिय अनुक्रिया का सिद्धांत
5. स्वः मूल्यांकन का सिद्धांत

कलाम ACADEMY

Topic :

Date :

Class :

अभिक्रमित अनुदेशन के प्रकार :-

- रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन
  - प्रति:- B.F. स्कीनर
- शाखीय अभि॰ अनुदेशन
  - नार्मन क्राउण्डर
- अवरोही अभिक्रमित अनुदेशन
  - थॉमस गिल्बर्ट

① रेखीय/शृंखला अभिक्रमित अनुदेशन :-

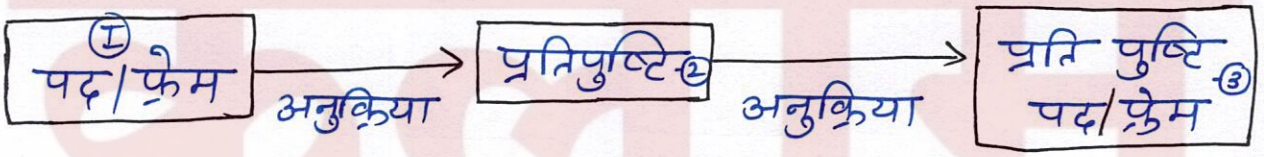

- इसमें पहला पद पढ़ने के बाद अनुक्रिया की जाती है। दूसरे पद को पढ़ने से पहले प्रथम पद के उत्तर की जाँच भी की जाती है अर्थात् प्रतिपुष्टि।
- इसे शृंखला अभिक्रमित अनुदेशन भी कहते हैं।

② शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन :-

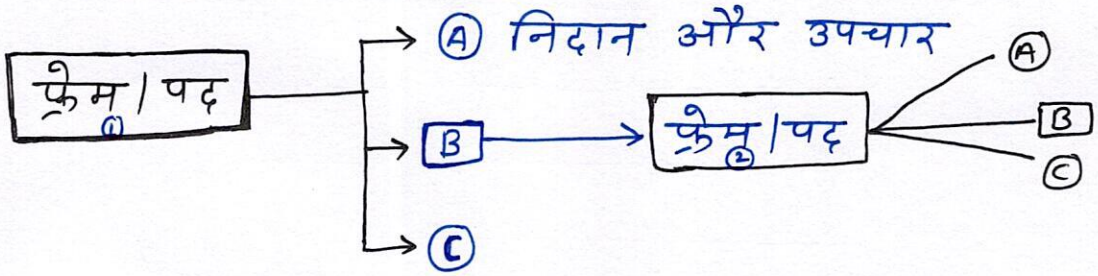

- इसे आन्तरिक अनुदेशन भी कहते हैं।

- इसमें बालक को विषय वस्तु पढ़ने को दी जाती है, उसके बाद 3/4 विकल्प दिये जाते हैं, उनमें से सही उत्तर चुनने पर अगले पद पर जाने का निर्देश दिया जाता है और गलत उत्तर चुनने पर निदान व उपचार किया जाता है।
- इसमें दो प्रकार के पृष्ठ होते हैं।
  ① होम पेज (HomePage) - □
  ② त्रुटि पेज → ○

③ अवरोही अभिक्रमित अनुदेशन विधि -

* मैथेटिक्स (यूनानी भाषा 'मैथिन' से बना है।)
  ↓
  (सीखना)

अवरोही → गणित सीखने में प्रयोग।

④ खेल विधि :- खेलों के द्वारा सिखाना। सबसे पहले 'फ्राबेल' ने बताया, लेकिन खेल विधि का जनक 'हेनरी कोल्ड वेल कुक' माना जाता है क्योंकि इन्होनें ब्रिटेन के अंदर पर्स स्कूल इस विधि का प्रयोग किया। (The play way)
- खेल विधि भाषा शिक्षण के लिए सर्वाधिक उपयोगी है
- खेल विधि को प्राथमिक शिक्षा के लिए सर्वाधिक उपयोगी माना जाता है क्योंकि बच्चे इसमें दिल से कार्य करते हैं।